University in News on 02 December 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दीक्षांत समारोह की तैयारियों का देखा प्रजेंटेशन

दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर कुलपति ने शुक्रवार को बैठक की। -संवाद

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को आयोजन समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने छह दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों का पीपीटी प्रजेंटेशन भी देखा। साथ ही पंडाल से लेकर पदकों की क्वालिटी व अन्य तैयारियों की जानकारी ली।

कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कार्यक्रम के मिनट टू मिनट विवरण की रूपरेखा भी देखी। इस दौरान शोभायात्रा का मंच पर पहुंचना, पदक पाने वालों व उनके अभिभावकों के बैठने की व्यवस्था, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, मंच की साज-सज्जा, महाविद्यालयों से आने वाले प्राचार्यों की लिस्ट पर चर्चा की गई। वीसी ने दीक्षांत में कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देने के निर्देश दिए।

पोस्टर मेकिंग विद्यार्थियों ने दिखाई कला...व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रो. रचना मुज्जू, प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. अनूप कुमार सिंह, डॉ. जय लक्ष्मी शर्मा, डॉ. करुणा शंकर कनौजिया और डॉ. दीपक वर्मा निर्णायक थे। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन अध्यक्ष डॉ. क्षितिज बारा कोटि ने बताया कि योग में सूक्ष्म व स्थूल शरीर की संरचना है। समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि नर्वस सिस्टम को सही रखने के लिए तड़ासन, प्राणायाम, अनुलोम विलोम करना चाहिए।

दीक्षांत सप्ताह के चौथे दिन रक्तदान

लविवि के विधि विभाग की संस्था प्रो. बोनो क्लब और विधिक सेवा केन्द्र ने नवीन परिसर में रक्तदान शिविर लगाया। इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने 70 यूनिट खून दिया। शिविर में प्रो. सीपी सिंह, प्रो. विनीता काचर, प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. अर्चना सिंह आदि थे। उधर, अर्थशास्त्र विभाग में पीजी के छात्रों के लिए क्विज हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह ने बताया कि प्रो. अशोक कुमार कैथल, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. दिनेश यादव और डॉ. हरनाम सिंह मौजूद रहे। पुणे के वैज्ञानिक प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने लविवि के गणित और खगोल विज्ञान विभाग में मिशन आदित्य एल-1 पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सूर्य की गतिविधियों, सौर ज्वाला, कोरोनल मास इजेक्शन, चुंबकीय क्षेत्र पर जानकारी दी।

NBT PAGE 6

LU: न्यू कैंपस में 70 लोगों ने किया रक्तदान

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के प्रो. बोनो क्लब और विधिक सेवा केंद्र की ओर से शुक्रवार को न्यू कैंपस में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें करीब 70 स्टूडेंट्स और शिक्षकों ने रक्तदान किया। शिविर में प्रो. बंशीधर सिंह, प्रो. सीपी सिंह, प्रो. विनीता काचर, प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. अर्चना भी मौजूद रहीं।

एमबीए स्टूडेंट्स ने किया इंडस्ट्री टूर

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज ने एमबीए स्टूडेंट्स के लिए इंडस्ट्री टूर भी शुरू किया है। इसके तहत बीते दिनों 57 स्टूडेंट्स ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी औद्योगिक क्षेत्र में हैवेल्स पब्लिक लिमिटेड कंपनी का भ्रमण किया। आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि स्टूडेंट्स ने वहां स्विच स्वचालित मशीनों और एमसीबी बनाने वाली मशीनों के बारे में जानकारी ली और हैवेल्स के एचआर मैनेजर के साथ इंटरैक्टिव सेशन में भी हिस्सा लिया।

छात्रों, शिक्षकों ने 70 यूनिट रक्तदान किया

लखनऊ। एलयू की संस्था प्रो. बोनो क्लब और विधिक सेवा केन्द्र ने शुक्रवार को नवीन परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने वाले छात्र और शिक्षक किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय से किसी भी रक्त समूह का रक्त प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में उन्हें प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 6

तंत्रिका तंत्र दुरुस्त रखता है योग

लखनऊ, संवाददाता। नर्वस सिस्टम को स्वस्थ रखने के लिए वृक्ष आसन, ताड़ासन, हस्तोतानासन, पद्मासन, अर्ध कटिचक्रासन, अनुलोम विलोम, प्राणायाम करना चाहिए। इससे नाड़ियां शुद्ध होती और मन एकाग्र होता है। यह बातें डॉ. अमरजीत यादव ने कहीं। वह एलयू के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंडियन योग फेडरेशन, यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन की ओर से आयोजित 19वें राष्ट्रीय सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। शुक्रवार को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के दूसरे दिन चार वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन हुआ। इसमें डॉ. शिखा गुप्ता, दीपा श्रीवास्तव, दीप शिखा वर्मा, डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह, रजनीश, सागर सैनी, डॉ. रामनरेश समेत कई ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भरतनाट्यम, नृत्य वाटिका, कथक नृत्य प्रस्तुत हुआ। जिससे सभी प्रतिभागियों का मन मोह लिया। डॉ. अशोक कुमार सोनकर, डॉक्टर क्षितिज बारा कोटि, डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. एसके मिश्रा रहे।

आईएमआरटी और सीआईएमएस के छात्रों ने एलयू के सेमिनार में हिस्सा लिया।

आईएमआरटी, सीआईएमएस के छात्रों ने लिया हिस्सा

लखनऊ। आईएमआरटी बिजनेस स्कूल और सीआईएमएस के 100 छात्रों ने एलयू में आयोजित योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा के प्रभाव पर आयोजित सेमिनार में भाग लिया। इससे उन्हें स्वास्थ्य प्रथाओं और जीवन में उनकी प्रासंगिकता का पता लगा। प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

दीक्षांत के स्वयंसेवकों को मिलेंगे प्रमाण पत्र

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत में कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को अनुभव का प्रमाण पत्र अवश्य दिया जाए। यह निर्देश कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दिए।

एलयू में शुक्रवार को मंथन कक्ष में छह दिसम्बर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की कुलपति ने समीक्षा की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दीक्षांत की तैयारियों का पीपीटी प्रेजेंटेशन देखा। पंडाल की व्यवस्था से लेकर मेडल्स की क्वालिटी व अन्य तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कार्यक्रम के मिनट टू मिनट विवरण के हिसाब से पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा देखी। शोभायात्रा का निकलना, मंच पर पहुंचना, छात्रों के बैठने की व्यवस्था, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था पर चर्चा की। कुलपति ने दीक्षांत के स्वयं सेवकों को अनुभव पत्र देने के निर्देश दिए।

'पैसों से खुशियां नहीं खरीदी जा सकती'

1 जीवन करियर के भीतर है, जीवन में कैरियर नहीं। खुशी भौतिक लाभ से पैदा नहीं होती, खुशी क्षणिक एहसास नहीं है, स्थायी है। यह आईआईटी खड़गपुर के प्रो. डॉ. मानस मंडल ने कही। वह मनोविज्ञान विभाग, महिला अध्ययन संस्थान का सत्र संबोधित कर रहे थे।

अर्थशास्त्र को छात्रों ने क्विज के जरिए समझा

2 अर्थशास्त्र विभाग ने क्विज प्रतियोगिता कराई। पीजी छात्रों से वित्तीय साक्षरता एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रतियोगिता में शिक्षकों ने छात्रों से पूछे। इस मौके पर अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों की छुपी हुई प्रतिभा निखरती है।

पोस्टर मेकिंग में दिखाया छात्रों ने अपना हुनर

3 अर्थशास्त्र विभाग ने उद्भव के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 24 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। यहां प्रो. रचना, प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. अनूप सिंह, डॉ. जय लक्ष्मी, डॉ. करुणा, डॉ. दीपक रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

'नर्वस सिस्टम पर नियंत्रण के लिए ध्यान का अभ्यास'

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा सप्ताह के तहत योग संकाय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

जासं, लखनऊ : 'योग में सूक्ष्म एवं स्थूल शरीर की संरचना है। स्थूल शरीर में तंत्रिका तंत्र का महत्वपूर्ण स्थान भी है। मन एवं नर्वस सिस्टम पर कंट्रोल के लिए ध्यान का अभ्यास करने से मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित किया जा सकता है, जिससे शरीर का नर्वस सिस्टम मजबूत होता है।' यह जानकारी काठमांडू नेपाल से आए डा. क्षितिज बारा कोटि ने दी। वह लवि के योग संकाय की ओर से दीक्षा समारोह सप्ताह में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन दिवस पर संबोधित कर रहे थे।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन चार वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन किया गया। लवि में योग कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि नर्वस सिस्टम को स्वस्थ रखने के लिए वृक्ष आसन, तड़सना, हस्तोतानासन, पद्मासना, अर्ध कटिचक्रासन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम करना चाहिए, जिससे नाड़ियां शुद्ध और मन एकाग्र होता है। प्रो. अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि नर्वस सिस्टम को मजबूत रखने के लिए आसन, प्राणायाम का अभ्यास महत्वपूर्ण है।

भरतनाट्यम, नृत्य वाटिका की प्रस्तुति: समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भरतनाट्यम, नृत्य वाटिका, कथक नृत्य की प्रस्तुति से प्रतिभागियों का मन मोह लिया।

लवि के योग संकाय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर शुक्रवार को प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया ● सौजन्य से लवि

कुलपति ने कहा कि स्वयं सेवकों को मिलेगा प्रमाण पत्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह के संबंध में शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मंथन कक्ष में बैठक की। इसमें समारोह की तैयारी को लेकर संबंधित विभिन्न व्यक्तियों से जानकारी ली। उसका पीपीटी प्रेजेंटेशन भी देखा। पंडाल की व्यवस्था, कुलाधिपति एवं राज्यपाल का आगमन और कार्यक्रम के मिनट टू मिनट विवरण से लेकर शोभा यात्रा, पदक पाने वाले छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था पर भी जानकारी ली। कुलपति ने निर्देश दिया कि समारोह में कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को उनके अनुभव का प्रमाण पत्र भी दिया जाए।

...आपका मुस्कुराना गजब ढा गया

जासं, लखनऊ : 'हाल क्या है दिलों का न पूछो सनम, आपका मुस्कुराना गजब ढा गया।' इस गीत पर प्रतियोगी छात्र की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मौका था लवि के द्वितीय परिसर में दीक्षा समारोह के तहत आयोजित संस्कृति सुरभि महोत्सव का। गायन प्रतियोगिता में 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से फाइनल में जगह पक्की की। कविता प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। वेटलिफ्टिंग में भी छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कमेटी के डायरेक्टर प्रो. सतीश चंद्र ने बताया कि कार्यक्रम में लवि सहित विभिन्न कालेजों एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

महोत्सव में वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा ● सौजन्य: लवि

आदित्य एल-वन पर हुआ व्याख्यान: लवि के गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में दीक्षा सप्ताह के तहत इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार एस्ट्रोनामी एंड एस्ट्रो फिजिक्स पुणे के विज्ञानी प्रोफेसर दुर्गेश त्रिपाठी ने आदित्य एल-वन मिशन के संबंध में विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आदित्य एल-वन मिशन सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम को समझने पर केंद्रित है, जो सौर प्रक्रियाओं के बारे में हमारे ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षा समारोह सप्ताह में शुक्रवार को भी विभागों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। अर्थशास्त्र विभाग में क्विज प्रतियोगिता कराई। वित्तीय साक्षरता एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित इस प्रतियोगिता में शिक्षकों ने स्नातकोत्तर विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे। सभी ने अपना श्रेष्ठतम प्रयास करते हुए प्रतिभाग किया। प्रो. अशोक कुमार कैथल, डा. प्रीति सिंह, डा. दिनेश यादव एवं डा. हरनाम सिंह ने प्रश्न पूछकर उनका उत्तर भी बताया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई। इसमें 24 प्रतिभागियों ने मनमोहक पोस्टरों के माध्यम से 'लिगेसी इन ब्लूम : सेलिब्रेटिंग फाउंडेशन डे' विषय की व्याख्या करते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर रचना मुजू व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

रिसर्च स्कालर्स फोरम

दीक्षा सप्ताह में शुक्रवार को रसायन विज्ञान विभाग ने रिसर्च स्कालर्स फोरम का आयोजन किया। इसमें पीएच डी छात्र अनंत राम ने रोगाणु रोधी गतिविधि और आणविक डाकिंग का संश्लेषण और मूल्यांकन पर प्रस्तुति दी। शोधार्थी सत्या ने प्रभावी औषधीय और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए धातुओं एवं उनके यौगिकों का "नैनोफैब्रिकेशन" विषय पर विस्तार से बताया। इस अवसर पर विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

लिया संकल्प

लखनऊ : लवि के राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब एवं यूथ काउंसिलिंग सेंटर की ओर से शुक्रवार को विश्व एड्स दिवस पर हस्ताक्षर अभियान एवं प्रश्नावली प्रतियोगिता हुई। अभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने किया। उन्होंने युवाओं को जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें समुदाय एवं आसपास के लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। प्रश्नावली प्रतियोगिता में धैर्य कुमार राय, अभिजीत यादव, हिमांशु किशोर एवं विशाल विजेता रहे। (जासं)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

कुलाधिपति के मिनट-टू-मिनट की व्यवस्थाओं पर कुलपति ने दिए निर्देश

■ 6 दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह की समीक्षा बैठक

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने 06 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह के संबंध में एक विस्तृत बैठक की। कुलपति ने दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर संबंधित विभिन्न व्यक्तियों से सूचना प्राप्त की और उसका पीपीटी प्रेजेंटेशन भी देखा।

पंडाल की व्यवस्था, तत्पश्चात कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का आगमन और कार्यक्रम का मिनट टू मिनट विवरण, कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में शोभायात्रा का निकलना और उसका मंच पर पहुंचना, मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था, उनके माता-पिता/अभिभावकों के बैठने की व्यवस्था, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, मंच की साज-सज्जा, मंच के सम्मुख बड़ी रंगोली, महाविद्यालयों से आने वाले प्राचार्य, मंच पर कुलाधिपति और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के सम्मुख आवश्यक सामानों की सूची आदि के बारे में विस्तृत चर्चा हुई और उसके संबंध में संबंधित व्यक्तियों को आवश्यक दिशा निर्देश कुलपति ने दिए। कुलपति ने यह भी निर्देश दिया कि इस समारोह में कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को उनके अनुभव का प्रमाण पत्र भी दिया जाय। इस अवसर पर प्रति कुलपति, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, समेत किचन कैबिनेट के सदस्य मौजूद थे।

PIONEER PAGE 3

लविवि ने लिया एड्स को हराकर स्वस्थ समुदाय बनाने का संकल्प

i-NEXT PAGE 4

एलयू दीक्षांत समारोह को लेकर हुई समीक्षा बैठक

LUCKNOW (1 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के 6 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने समीक्षा बैठक की. कुलपति प्रो. राय ने दीक्षांत समारोह की तैयारी को लेकर अलग-अलग व्यक्तियों से सूचना ली और पीपीटी प्रेजेंटेशन भी देखा. उन्होंने पंडाल की व्यवस्था, कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कार्यक्रम का मिनट टू मिनट विवरण, शोभायात्रा, मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था, उनके माता-पिता अभिभावकों के बैठने की व्यवस्था, मंच की साज-सज्जा के बारे में जानकारी हासिल की. उन्होंने समारोह में कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को उनके अनुभव का प्रमाण पत्र भी देने के निर्देश दिए.

कॉन्वोकेशन कार्यक्रमों से यूनिवर्सिटी गुलजार

लखनऊ यूनिवर्सिटी के अलग-अलग डिपार्टमेंट में प्री कॉन्वोकेशन कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है. शुक्रवार को भी इसी कड़ी में इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट में क्विज कंपटीशन का आयोजन पीजी के छात्रों के लिए किया गया. अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह ने कहा की ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा सामने आती है. संस्कृति सुरभि महोत्सव के चौथे दिन जानकीपुरम स्थिति एलयू के न्यू कैम्पस के स्थित च्यूरिस हाल बिल्डिंग में सोलो सिंगिंग फाइनल के प्रतिभागियों ने समां बांधा. गायन प्रतियोगिता में 30 से अधिक छात्रों ने अपने दमदार फरफार्मेन्स से खूब तालियां बटोरीं. पोयट्री कम्पटीशन हर्ष पांडेय, रिफत परवीन, अलीशा, खुशी जैन, शिवांश मिश्रा, सौम्या सोनी ने फाइनल में जगह बनाई. कई प्रतियोगिताएं हुई जिसमें, वेटलिफ्टिंग, बालीवुड क्विज, हिंदी कविता फाइनल, वालीबाल, नृत्य, शतरंज में अपनी खेल प्रतिभा दिखाई.

हिमाचल पहुंचकर छात्रों ने टोही उद्योगों की नब्ज

औद्योगिक यात्रा | लखनऊ विवि के छात्रों ने औद्योगिक मशीनों का जाना हाल

अमृत विचार

मोल्डिंग मशीनों की उपलब्धता जानी : स्विच स्वचालित मशीनों, एमसीबी बनाने वाली मशीनों और मोल्डिंग मशीनों जैसी विभिन्न मशीनों के संचालन की जानकारी ली गई। विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को कच्चे माल के बारे में भी बताया गया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

लखनऊ : लविवि में उद्भव विषय के अन्तर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 24 छात्रों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने मनमोहक पोस्टरों के माध्यम से लिगेसी इन ब्लूम सेलिब्रेटिंग फाउंडेशन डे विषय की व्याख्या करते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर रचना मुजू, प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. अनूप कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे।

सौर गतिविधियों की दी जानकारी

लखनऊ : पुणे के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर दुर्गेश त्रिपाठी ने लखनऊ विवि में आयोजित कार्यक्रम में सूर्य की विभिन्न सौर गतिविधियों, जैसे सूर्य धब्बे, सौर ज्वाला, कोरोनल मास इजेक्शन, चुंबकीय क्षेत्र की जानकारियों से छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैसे आदित्य एल1 मिशन सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम को समझने पर केंद्रित है, जो सौर प्रक्रियाओं के बारे में हमारे ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। व्याख्यान में विभाग के सभी सदस्य, अनुसंधान छात्र और विद्यार्थी उपस्थित थे।

लविवि के छात्रों ने दिया 70 यूनिट रक्त

लखनऊ : लखनऊ विवि की संस्था प्रो बोनो क्लब एवं विधिक सेवा केन्द्र ने शुक्रवार को नवीन परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन निदेशक एवं विधि संकाय अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बंशीधर सिंह ने किया। इस दौरान 70 से अधिक यूनिट रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे निदेशक एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बंशी धर सिंह ने कहा कि रक्तदान से नहीं सिर्फ व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है, बल्कि इससे समाज में सजगता भी बढ़ती है। यह सामाजिक सेवा और सहयोग का एक श्रेष्ठ उदाहरण है, जो स्वस्थ समाज की दिशा में एक प्रशंसनीय कदम है। प्रो. बोनो क्लब और लीगल एड क्लीनिक समन्वयक डॉ. आलोक कुमार यादव ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे जीवन बचने के साथ-साथ प्रेरणा भी मिलती है। ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होते रहना चाहिए। रक्तदान शिविर में प्रो. सी पी सिंह, प्रो. विनीता काचर, प्रो. आनंद विश्वकर्मा, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. अर्चना सिंह सहित प्रोबोनो क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर 70 से अधिक यूनिट रक्तदाता ने अपना योगदान दिया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

संश्लेषण और मूल्यांकन पर व्याख्यान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम

● रसायन विभाग के कार्यक्रम में शोधार्थी और छात्र शामिल

अमृत विचार : लखनऊ विवि के रसायन विज्ञान विभाग में अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें विवि के शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे।

पहली प्रस्तुति अनंत राम द्वारा दी गई, जो प्रोफेसर आरएन सिंह की देखरेख में पीएचडी छात्र के रूप में कार्यरत हैं। इन्होंने 4-(बेंजाइलॉक्सी) बेंजाल्डिहाइड-3, 5-डाइनिट्रोबेंजोहाइड्राजोन के रोगाणुरोधी गतिविधि और आणविक डॉकिंग का संश्लेषण और मूल्यांकन की व्याख्या की। दूसरी प्रस्तुति डॉ. मीनाक्षी सिंह के निर्देशन में कार्यरत सत्या ने दी। इन्होंने प्रभावी औषधीय और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए धातुओं और उनके यौगिकों का नैनोफैब्रिकेशन विषय पर अपनी प्रस्तुति में विभिन्न रोगों के उपचार में धातु परिसरों के उपयोग के बारे में एक सिंहावलोकन दिया। अन्य शोधार्थियों ने ट्यूमर के विकास में कमी, प्रणालीगत विषाक्तता में कमी और चिकित्सीय प्रभावकारिता में वृद्धि के प्रभाव का भी वर्णन किया। इस अवसर पर काफी संख्या में शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे।

हम में है दम, तभी कहलाते हैं नंबर वन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

वेटलिफ्टिंग करतीं छात्रा।

संस्कृति सुरभि महोत्सव

● सोलो सिंगिंग, वेट लिफ्टिंग सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

अमृत विचार : लविवि में संस्कृति सुरभि महोत्सव के चौथे दिन भी छात्रों ने अपनी-अपनी दक्षता का परिचय दिया। इस दौरान सोलो सिंगिंग, वेट लिफ्टिंग सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

लखनऊ विवि के पोयट्री कम्प्टीशन के को-कॉर्डिनेटर मेहरबान अली की उपस्थिति में 10 से अधिक प्रतियोगियों के आयोजन हुए। जिसमें वेटलिफ्टिंग, बॉलीवुड क्विज़, हिंदी कविता फाइनल, वालीबॉल, नृत्य, शतरंज सहित अन्य प्रतियोगिताओं के आयोजन हुए। कमेटी के डायरेक्टर प्रोफेसर सतीश चंद्र ने बताया कि लखनऊ विवि, बीबीएयू, आईटी कॉलेज, सिटी ला कॉलेज, नेशनल पीजी कॉलेज के बच्चों ने प्रतिभाग किया। कमेटी के अध्यक्ष डॉ. उग्रसेन वर्मा ने बताया कि शनिवार को प्रतियोगिता का समापन होगा। जिसमें विजेताओं को ट्रॉफी एव मेडल्स वितरित किये जायेंगे।

सदाबहार गानों का बंधा समां : प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने सदाबहार गानों की श्रृंखला बना दी। ऐसे में प्रतियोगिता के जज तारीफ करते नजर आए।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

दवाओं का नैनो फॉर्मूलेशन विशेषताओं और सहक्रियात्मक कार्यक्षमता में करता है सुधार

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने निरंतर प्रयास में प्री कन्वोकेशन समारोह के एक भाग के रूप में रिसर्च स्कॉलर्स फोरम का आयोजन शुक्रवार को किया। यह इस फोरम की 46वीं बैठक है। पहली प्रस्तुति अनंत राम द्वारा दी गयी जो प्रो. आरएन सिंह की देखरेख में पीएचडी छात्र के रूप में कार्यरत हैं। अनंत राम का परिचय प्रिंस त्रिवेदी ने कराया। अनंतराम ने 4-(बेंजाइलॉक्सी) बेंजाल्डिहाइड-3, 5-डाइनिट्रोबेंजोहाइड्राजोन के रोगाणुरोधी गतिविधि और आणविक डॉकिंग का संश्लेषण और मूल्यांकनः एक संयुक्त प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोण विषय पर प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने संश्लेषण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक और कम्प्यूटेशनल लक्षण वर्णन के बारे में विस्तार से बताया। (बेंजिलॉक्सी) बेंजेल्डिहाइड-3, 5-डाइनिट्रोबेंजोहाइड्राजोन और माइक्रोप्लेट अलामर ब्लू परख (एमएबीए) का उपयोग करके माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एच37आरवी के खिलाफ इसकी एंटीट्यूबरकुलर गतिविधि। इसके अलावा प्राप्त परिणामों को डॉकिंग अध्ययन की सहायता से सत्यापित किया गया, जिसमें हाइड्रोजन बॉडिंग के माध्यम से लक्ष्य प्रोटीन के साथ बाध्यकारी अनुरूपता और समानतायें दिखायी गयी। दूसरी प्रस्तुति डॉ. मीनाक्षी सिंह के निर्देशन में कार्यरत सत्या ने दी। उनका परिचय प्रदीप कुमार पांडे ने कराया। सत्या ने प्रभावी औषधीय और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए धातुओं और उनके यौगिकों का नैनोफैब्रिकेशन विषय पर अपनी प्रस्तुति में विभिन्न रोगों के उपचार में धातु परिसरों के उपयोग के बारे में एक सिंहावलोकन दिया। उन्होंने प्रभावी औषधीय और पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए नैनोटेक्नोलॉजी और धातुओं के नैनोफैब्रिकेशन और उनके यौगिकों के क्षेत्र में हाल के विकास का सारांश दिया। उन्होंने बताया कि संक्रमण धातुओं के परिसरों ने विभिन्न औषधीय गतिविधियां दिखायी हैं। हालांकि कई मौजूदा धातु परिसरों में लिपोफिलिसिटी, कम पानी-घुलनशीलता और विषाक्तता आदि जैसी गंभीर कमियां हैं।

LOKSATYA PAGE 3

प्रतियोगिता | मुख्य अतिथि मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने किया शुभारंभ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने लिया एड्स को हराने का संकल्प

संबोधन

● सामुदायिक प्रयास को ही एड्स से बचाव का सक्षम रास्ता बताया

लखनऊ, लोकसत्य